प्रिय साथी,

निरंतर संस्था ग्वायर हॉल, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ मिलकर 'जेंडर और शिक्षा' पर हिंदी भाषा में 10 दिनों के अवासीय कोर्स का आयोजन कर रही है। यह कोर्स 22 से 31 अक्टूबर के बीच दिल्ली में किया जाएगा। हम इस कोर्स से संबंधित जानकारी इस पत्र/ई–मेल के साथ संलग्न कर रहे हैं।

आपकी प्रतिष्ठित संस्था के छात्र/छात्राएँ इस कोर्स में भाग लेने के लिए आमंत्रित हैं। कोर्स की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता स्नातक (ग्रेजुएट) है। कोर्स में शामिल होने के लिए संलग्न परिपत्र को भरकर भेजना होगा। हमें उम्मीद है कि आपकी संस्था से कई छात्र–छात्राएँ इसमें भाग लेने के इच्छुक होंगे।

परिपत्र भरकर भेजने की आखरी तारीख 14 सितंबर 2010 है। प्रतिभागी अपने परिपत्र डाक, फैक्स या ई–मेल के द्वारा हमें भेज सकते हैं। यदि आप कोर्स के विषय में या आयोजक संस्थाओं के बारे में जानकारी चाहते हैं तो हमसे संपर्क करें। ध्यान रहे कि इस कोर्स के लिए कोई फीस नहीं है। प्रतिभागियों को आने–जाने का खर्च खुद वहन करना होगा। रहने व खाने की व्यवस्था आयोजकों द्वारा की जाएगी।

आपसे निवेदन है कि संलग्न आमंत्रण और परिपत्र को अपने नोटिस बोर्ड पर लगाएँ और फ़ार्म भरने में इच्छुक छात्र–छात्राओं की मदद करें।

शुभकामनाओं सहित,

सादिया और प्रसन्ना

जेंडर और शिक्षा

निरंतर संस्था और क्वायर हॉल, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संचालित हिंदी भाषा में आवासीय कोर्स
22 से 31 अक्टूबर, 2010, दिल्ली

कोर्स के उद्देश्य

- शिक्षा नीतियों और उनके क्रियान्वयन में जेंडर को कितना और किस तरह का महत्त्व दिया जा रहा है, इसे जानना
- शिक्षा की राजनैतिक समझ को गहरा करने में नारीवादी विचारधारा और पद्धति द्वारा उठाए गए सवालों और अनुभवों को समझना
- जेंडर को औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा के बँधे–बँधाए दायरों से बाहर निकालकर समग्रता में देखना
- शिक्षा में राष्ट्रवाद और पहचान से जुड़े मुद्दों की जेंडर के नज़रिए से पड़ताल करना

पद्धति

इस कोर्स में पठन–पाठन की पद्धति रचनात्मक होगी। पठन सामग्री में विविधता होगी। लेख, शोध, कहानी, जीवनी, साक्षात्कार, सरकारी दस्तावेज़ आदि इसमें शामिल होंगे। कोर्स में फिल्म, वाद–संवाद और सामूहिक चर्चा के मंच होंगे। इस के दौरान प्रतिभागी जेंडर और शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों एवं ज़मीनी कार्यकर्ताओं से विचार–विमर्श भी करेंगे।

इस कोर्स में लंबे और गहन सत्र होंगे। हर दिन प्रतिभागियों को पढ़ने की सामग्री दी जाएगी। इसलिए जिनकी विशेष रुचि हो वही संलग्न परिपत्र भरकर भेजें। रोजाना कम से कम 15 से 20 पन्ने पढ़ना हर प्रतिभागी के लिए अनिवार्य है।

कौन भाग ले सकते हैं

- न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक (ग्रैजुएट) है
- उम्र की कोई सीमा नहीं है
- प्रतिभागी किसी भी विषय के हो सकते हैं, मगर शिक्षा, स्त्री अध्ययन और समाजशास्त्र के विद्यार्थी, शोधकर्ता तथा गैर सरकारी संस्था के कार्यकर्ता जो कम से कम पाँच सालों से काम कर रहे हैं– को प्राथमिकता दी जाएगी

निरंतर संस्था 'जेंडर और शिक्षा' के क्षेत्र में पिछले 17 सालों से काम कर रही है। इसकी स्थापना 1993 में हुई। निरंतर ने कई तरह की जेंडर संवेदनशील पठन–पाठन सामग्री प्रकाशित की है – जैसे पत्रिका, अखबार, पाठ्यचर्या, विश्लेषणात्मक दस्तावेज़ व स्कूली किताबें। इस संस्था ने जेंडर और शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े कई शोध भी किए हैं। ग्रामीण महिलाओं के लिए साक्षरता और शिक्षा के कार्यक्रम भी चलाती है। समय–समय पर यह संस्था सरकार के साथ भी जेंडर और शिक्षा के मुद्दों के लिए सक्रिय रही है। हमारा पता :

निरंतर – बी 64 (दूसरी मंज़िल), सर्वोदय एन्क्लेव, नई दिल्ली–110017
टेलीफोन : 011–26966334 टेली–फैक्स : 011–26517726 ई–मेल : nirantar.mail@gmail.com

पिछले वर्ष के प्रतिभागी और उनकी कुछ प्रतिक्रियाएँ

मुझे प्रतिभागियों का मिश्रण पसंद आया। सहयोगी व्यवहार, नवीन विचार, नया जोश मुझमें एक नई फुर्ती भर गया। यहाँ आकर मैं अपने students को एक नए perspective में देख पाऊँगी।

रूबी (लेक्चरर, महिला अध्ययन विभाग, बनस्थली विश्वविद्यालय, जयपुर)

मैं जब यहाँ आया तो सोच रहा था कि जेंडर आधारित काम तो अपन करते ही हैं जिसमें महिला पुरुषों की बराबरी की बात होती है। पर इस कोर्स को करने के बाद मुझे वास्तव में जेंडर क्या है व किस तरह समाज व इतिहास में गढ़ा गया है समझने का अवसर मिला। अब मैं एक नई सोच व नये दृष्टिकोण के साथ जा रहा हूँ।

रण सिंह चीता, (कार्यकर्ता, दूसरा दशक संस्था, अजमेर)

आज के माहौल को देख कर तो यह लगता है कि जेंडर की अगर बात है तो लोग महिलाओं के उत्थान के लिए शिक्षा को एक उपकरण की तरह देखते हैं। लेकिन यहाँ आकर लगा कि ये इतना सहज नहीं है। बहुत सी चीज़ें व मुद्दे जुड़े हैं इससे जो यहाँ समझने का मौका मिला। और जेंडर की समझ बहुत बढ़ी है।

पूजा अक्षय (लेडी इर्विन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)

मैंने इस कोर्स के बाद यह महसूस किया कि जेंडर किस प्रकार शिक्षा में रचा बसा है और कितनी आवश्कता है इस असमानता को दूर करने की और नारी के लिए काम करने की। न सिर्फ नारी, किसी भी वंचित के लिए काम करने की।

अक्षय कुमावत (मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर)

कृपया ध्यान दें

14 सितंबर, 2010 : परिपत्र जमा करने की अंतिम तिथि
24 सितंबर, 2010 : चुने गए प्रतिभागियों को सूचित करने की अंतिम तिथि
21 अक्टूबर, 2010 : चुने गए प्रतिभागियों के दिल्ली में एकत्रित होने की तिथि

इस कोर्स के लिए कोई फीस नहीं है। प्रतिभागियों को आने–जाने का खर्च खुद वहन करना होगा। रहने व खाने की व्यवस्था आयोजकों द्वारा की जाएगी।

परिपत्र

प्रतिभागी का नाम : .... उम्र : ....

शिक्षा : .... कॉलेज / संस्था का नाम : ....

कॉलेज / संस्था का पता : ....

....

फोन : .... ईमेल : ....

पत्राचार का पता : ....

....

फोन : .... ईमेल : ....

दो संदर्भ व्यक्तियों के नाम व पते :

1. .... 2. ....

....

फोन : .... फोन : ....

ईमेल : .... ईमेल ....

- जेंडर और शिक्षा कोर्स में आपकी दिलचस्पी क्यों है? (150 शब्दों में लिखिए)

- यह कोर्स आपके लिए किस तरह फायदेमंद होगा? (300 शब्दों में लिखिए)

- क्या इस पर आपकी सहमति है कि रोजाना दी जानेवाली पठन–पाठन सामग्री को मुस्तैदी से पढ़ेंगे और उनसे जुड़े समूह कार्य में गंभीरता बरकरार रखेंगे?